

नये नियम का इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र

सत्र 12: लूक

डॉ. टेड हिल्लेब्रांट द्वारा

ए. लूका का परिचय: लेखक और श्रोता [00:00-2:44]

ए: संयुक्त ए.डी.; 00:00-12:49; लेखकत्व और कार्य संबंध

आपका स्वागत है, हमने अभी-अभी मार्क की पुस्तक समाप्त की है और मार्क की पुस्तक से पापों की क्षमा और उपचार तथा मनुष्य के पुत्र और मसीहाई रहस्य के बारे में बात की है। जॉन मार्क ने पीटर के सुसमाचार और जॉन मार्क और पॉल के बीच संघर्ष के बारे में लिखा है।

मैं लूका की ओर लौटना चाहता हूँ। लूका एक नया विषय होने जा रहा है जबकि मैथ्यू में मसीह राजा है; मार्क में मसीह एक पीड़ित सेवक है; लूका की पुस्तक में मसीह एक परिपूर्ण व्यक्ति होने जा रहा है। मसीह की बहुत सारी मानवता होने जा रही है। इसलिए मैं इसे शुरू करना चाहता हूँ और लूका की पुस्तक के परिचय पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूँ और लूका ने मसीह को कैसे चित्रित किया है। जैसा कि हमने कहा, लूका ने उन्हें परिपूर्ण व्यक्ति के रूप में चित्रित किया है। हम अपनी चर्चा में कुछ बिंदुओं पर मसीह की मानवता पर जोर देने जा रहे हैं और मैंने अक्सर कहा है कि हमारी संस्कृति यीशु को एक तरह के सुपर-अप एमएलके या शुरुआती महात्मा गांधी या उस जैसे किसी व्यक्ति के रूप में प्यार करती है। हम यीशु को ऋषि या पैगंबर के रूप में प्यार करते हैं। यीशु की समस्या यह है कि जब कोई कहता है कि यीशु भगवान हैं तो लोग भड़क जाते हैं। इसलिए आम तौर पर जब आप यहोवा के साक्षी या किसी और से बात करते हैं तो यह मसीह का देवता होता है और हमारी संस्कृति में हर कोई यीशु को प्यार करने वाले पैगंबर के रूप में प्यार करता है। यह देवता है जिससे लोगों को समस्या है। इसलिए, आम तौर पर आप इस बात पर ज़ोर देते हैं कि जब आप जॉन की पुस्तक में होते हैं या हमने ऐसा तब किया जब हम मार्क अध्याय 1 में पुराने नियम से उद्धरण के साथ थे, लेकिन यीशु भी इंसान थे। इसलिए हमें ईश्वरत्व को

मसीह की मानवता की अनदेखी करने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। तो, मूल रूप से, ल्यूक मसीह को कैसे चित्रित करता है? मोटे तौर पर वह एक आदर्श इंसान है।

क्या हम जानते हैं कि ल्यूक ने इसे लिखा है? मैं लेखक ल्यूक होने के तर्क के माध्यम से जाना चाहता हूँ। इसलिए हम आमतौर पर लेखक और श्रोता, उन दो चीजों को करते हैं जो हमें पुस्तक को ठीक से पढ़ने में मदद करती हैं, लेखक और श्रोताओं को व्याख्यात्मक रूप से और लेखक की पृष्ठभूमि और दर्शकों की पृष्ठभूमि को समझने की कोशिश करते हैं। फिर से मैं लेखक को आगे बढ़ाता हूँ। आजकल अधिकांश लोग उस दर्शक को आगे बढ़ाते हैं जिसके लिए यह लिखा गया है, लेकिन मुझे दोनों ही पसंद हैं। मेरे पास देखने के लिए दो आँखें हैं; मेरे पास एक लेखक है और मेरे पास एक दर्शक है और मुझे उन दोनों के बारे में और उनके बीच की बातचीत के बारे में जानना है।

बी. प्रेरितों के काम में “हम” वाले अंश [2:44-5:00]

कोई कैसे सुझाव देता है कि ल्यूक ने इसे लिखा है? हम कैसे जानते हैं कि ल्यूक ने इसे लिखा है? इसलिए मैं यहाँ केवल एक प्रमाण के माध्यम से जाना चाहता था। यह प्रेरितों के काम की पुस्तक में “हम” अंशों से आता है। अब अगर मैंने यह कहा: “एनेट और इलियट स्टोर पर गए। वे खरीदारी करने के लिए न्यूइंगटन गए और उसके बाद वे बार्न्स एंड नोबल गए और उन्होंने यह किया और उन्होंने वह किया। फिर वे आखिरकार घर आए और मुझे उठाया और हम डेनवर गए। हम एक फिल्म देखने गए।” “उन्होंने” यह किया और “उन्होंने” वह किया से “हमने” यह किया और “हमने” वह किया में एक बदलाव आया, इसमें मैं भी शामिल हूँ। प्रेरितों के काम की पुस्तक में यही है। ल्यूक प्रेरितों के काम की पुस्तक के लेखक भी हैं। यह “वे, वे, वे” के बाद “हम” पर स्विच करता है। उदाहरण के लिए, प्रेरितों के काम की पुस्तक के अध्याय 1 श्लोक 3 में देखें कि उसके दुखों के बाद क्या कहा गया है: “यीशु ने खुद को इन लोगों के लिए जीवित दिखाया और कई ठोस सबूत दिए कि वह इन लोगों के लिए जीवित था।” तो यीशु जीवित होकर आए और खुद को इन लोगों को दिखाया। तो लूका में, जब उन्होंने कहा कि वे जीवित होकर आए और “वे” क्या इसमें वे

शामिल हैं? नहीं, वे इन लोगों को कह रहे हैं, मुझे नहीं। वे उन्हें दिखाई दिए, मुझे नहीं। "चालीस दिनों की अवधि के लिए उन्होंने परमेश्वर के राज्य के बारे में बात की। एक अवसर पर, जब वे 'उनके' साथ भोजन कर रहे थे, तो उन्होंने 'उन्हें' यह आदेश दिया: अब यरूशलेम को मत छोड़ो।" क्या इसका मतलब है, क्या लूका को यह आदेश मिला? नहीं, उन्होंने कहा "जब वे 'उनके' साथ भोजन कर रहे थे, तो उन्होंने 'उन्हें' यह आदेश दिया: अब यरूशलेम को मत छोड़ो।" तो आप देख सकते हैं कि यह "वे", "उन्हें", "वे", "उन्हें", "इस तरह की बातें हैं। तो वहाँ कुछ ऐसे अंश हैं जिन्हें "हम" कहा जाता है। तो यह बहुत दिलचस्प है क्योंकि आप दूसरी मिशनरी यात्रा [2MJ] से गुजरते हैं और कई लोग इस संक्षिप्त नाम का उपयोग करते हैं जब हम प्रेरितों के काम की पुस्तकों पर आते हैं तो हम इसका बहुत उपयोग करेंगे। इसे 2MJ कहा जाता है जिसका अर्थ है प्रेरित पौलुस की दूसरी मिशनरी यात्रा।

सी. पॉल की मिशनरी यात्राएँ [5:00-7:23]

मैं इसे संक्षेप में बताता हूँ और यह बहुत ही भद्दा होने वाला है और मुझे एहसास है कि प्रेरित पौलुस की पहली मिशनरी यात्रा [1MJ] बरनबास और जॉन मार्क के साथ है और वे साइप्रस और तुर्की में पहुँचे, जो तुर्की के मध्य निचले हिस्से की तरह है, इसलिए वे मूल रूप से सीरिया में एंटीओक से शुरू होते हैं। सभी मिशनरी यात्राएँ एंटीओक से शुरू होती हैं। वे साइप्रस जाते हैं और फिर तुर्की के मध्य में पहुँचते हैं। यह पहली मिशनरी यात्रा है। दूसरी मिशनरी यात्रा [2MJ] पर पौलुस और सीलास मैसेडोनिया जाते हैं और फिर ग्रीस में एथेंस से नीचे जाते हैं। इसलिए दूसरी मिशनरी यात्रा मुख्य रूप से ग्रीस के उत्तरी भाग पर केंद्रित है, जो ग्रीस से होकर आती है और फिर नीचे आती है और मुख्य रूप से कुरिन्थ में डेढ़ साल बिताती है। इसलिए दूसरी मिशनरी मुख्य रूप से एक ही स्थान पर है - ठीक है, दो स्थानों मैसेडोनिया और कुरिन्थ में। वह कुरिन्थ में तंबू बनाने में डेढ़ साल बिताता है। दूसरी मिशनरी यात्रा और वह लगभग 51 ई. में है। यह दूसरी मिशनरी यात्रा, कुरिन्थ के लगभग दो साल का अनुमान है। तीसरी मिशनरी [3MJ] यात्रा के दौरान वह इफिसुस में तीन साल बिताता है। इफिसुस तुर्की के तट पर सुदूर पश्चिमी किनारे पर बीच से ठीक नीचे है।

इफिसुस की तीसरी मिशनरी यात्रा इफिसुस में तीन साल बिताती है और पॉल यरूशलेम में गरीबों के लिए पैसे लेकर यरूशलेम वापस आता है और उसे दो साल के लिए जेल में डाल दिया जाता है और फिर उसे रोम भेज दिया जाता है। यही वह समय है जब प्रेरितों के काम की पुस्तक में जहाज़ डूब जाता है। तो मूल रूप से, पॉल के साथ आपके पास 3 मिशनरी यात्राएँ हैं, 2MJ के लिए 1 कुरिन्थ के लिए मध्य तुर्की और फिर 3MJ के लिए इफिसुस और फिर पॉल यरूशलेम जाता है और कुछ साल कैद में रहता है और रोम जाता है जहाँ उस पर मुकदमा चलाया जाता है और अंततः उसका सिर कलम कर दिया जाता है।

तो दिलचस्प बात यह है कि, प्रेरितों के काम की पुस्तक के अध्याय 16 में, हम अब दूसरी मिशनरी यात्रा पर हैं और वह तुर्की के उत्तरी भाग में आ रहा है, वह दूसरी मिशनरी यात्रा में मैसेडोनिया आ रहा है और वह त्रोआस नामक स्थान पर है और प्रेरितों के काम 16:8-11 के अध्याय 16 में लिखा है, "अतः वे म्यासिया से होते हुए त्रोआस में आए और रात के समय पौलुस ने एक दर्शन में देखा कि एक मकिदुनिया निवासी व्यक्ति खड़ा है और उससे विनती कर रहा है कि मकिदुनिया में आकर हमारी सहायता कर , "तो वह तुर्की से मकिदुनिया जाने वाला है जो कि यूनान का उत्तरी भाग है।

डी. मिशनरी यात्राओं में “हम” अंश [7:23-12:49]

“मकिदुनिया में आकर हमारी सहायता करो।” पौलुस ने दर्शन देखा था, उसके बाद हमने कहा, “और अब यह पहली बार शुरू होता है। “हम त्रोआस से मैसेडोनिया जाने के लिए तुरंत तैयार हो गए। हम समुद्र में निकल पड़े। तो ल्यूक कहाँ से था? ल्यूक त्रोआस से था। “हम” को उठाया गया है, इसलिए हम इसे प्राप्त करने जा रहे हैं, हम, हम, हम सभी घर और त्रोआस से “हम” को उठाया गया है और वे पॉल के साथ मैसेडोनिया के लिए रवाना हुए हैं, “हम” फिलिप्पी के स्थान तक। अब, हम फिलिप्पी को जानते हैं क्योंकि हमें मैसेडोन के फिलिप याद हैं। क्या आपको याद है कि सिकंदर के पिता मैसेडोन के फिलिप थे, फिलिप्पी का नाम सिकंदर के पिता फिलिप के नाम पर रखा गया था। लेकिन, जो होता है वह यह है कि पॉल को जेल में डाल दिया जाता है, फिलिप्पी का जेलर खुद को मारने की

कोशिश करने वाला है। पॉल जेल से बाहर आता है, पॉल और सीलास जेल में गा रहे हैं, आपको अधिनियम अध्याय 16 की कहानियाँ याद हैं और बैंगनी रंग की विक्रेता लिडिया वहाँ है, लेकिन ल्यूक जाहिर तौर पर फिलिप्पी में रहता है। तो क्या होता है कि “वे” बाद में उठाए जाते हैं और जब पॉल फिलिप्पी छोड़ता है तो अचानक यह “वे” में बदल जाता है। तो, जाहिर है कि लूका त्रोआस से फिलिप्पी मैसेडोनिया गया और फिलिप्पी में ही रुका। फिर पॉल कुरिन्थ में नीचे चला गया और ये सभी “वे”, “वे” और “वे” वाले अंश हैं। तो, जाहिर है कि वह वहीं रह गया और जो वास्तव में दिलचस्प है वह है प्रेरित पॉल की तीसरी मिशनरी यात्रा, अब यह वास्तव में कई वर्षों बाद की बात है, आपको जो मिलता है वह यह है कि जब पॉल तीसरी मिशनरी यात्रा पर फिलिप्पी पहुँचता है तो “हम” शुरू हो जाता है। वह पैसे जुटाने आ रहा है, जाहिर है कि मैसेडोनिया के लोगों से; जाहिर है कि मैसेडोनिया के लोगों के पास पैसे थे, लेकिन वह यरूशलेम के गरीब लोगों के लिए पैसे जुटाने आ रहा था। यरूशलेम में अकाल पड़ा था इसलिए पॉल वहाँ जा रहा था। जब वह फिलिप्पी पहुँचता है तो अनुमान लगाइए क्या होता है? कथा फिर से शुरू होती है और अचानक हमें फिर से “हम” मिलते हैं। यह दर्शाता है कि लूका फिर से उनके साथ शामिल हो गया अध्याय 17 पद 1। तीसरा व्यक्ति [वे] पहले व्यक्ति [हम] को फिर से रास्ता देता है अब लूका जाहिर तौर पर तीसरी मिशनरी यात्रा पर पॉल के साथ फिर से जुड़ जाता है। अब “हम” फिर से शुरू होते हैं फिर अध्याय 20 में पद 5 जब पॉल वापस आता है - अध्याय 20 पद 5 “हम” फिर से शुरू होते हैं और पॉल गरीब लोगों के लिए पैसे लेकर यरूशलेम लौटता है। “हम” वापस यरूशलेम वापस घर जाते हैं। फिर ल्यूक जाहिर है, चूंकि पॉल जेल में जाने वाला था, वह यरूशलेम जाता है और मंदिर क्षेत्र में परेशानी में पड़ जाता है और वे उसे दो साल के लिए जेल में डाल देते हैं और जब वह दो साल के लिए जेल में रहता है तो ल्यूक यरूशलेम और इज़राइल में रहता है।

लूका कुछ समय के लिए कैसरिया में समुद्र तट पर पॉल के साथ रहने वाला है और फिर यरूशलेम में जाकर कैसर से अपील करेगा। फिर फेलिक्स के अधीन कुछ वर्षों तक जेल में रहने के बाद, फिर फेस्टस के साथ, और अग्रिप्पा उसे वापस यरूशलेम भेजने का

प्रयास करने जा रहे हैं और पॉल को एहसास होता है कि अगर वह वापस यरूशलेम जाता है तो उसे मार दिया जाएगा। इसलिए पॉल कहता है, "मैं कैसर से अपील करता हूँ।" वह एक रोमन नागरिक है इसलिए वह कैसर से अपील कर सकता है। वह कैसरिया से कैसर से अपील करता है ताकि उसे वापस यरूशलेम न जाना पड़े और इसलिए जो होता है, वे पत्र लिखते हैं और पॉल उसे रोम के लिए एक नाव पर बिठा देते हैं। जाहिर है कि लूका उस यात्रा पर जाता है और हम, हम, हम रोम तक जाते हैं। यह कोई मिशनरी यात्रा नहीं है लेकिन वह रोम जा रहा है, वे वास्तव में माल्टा द्वीप पर जहाज़ को डुबो देते हैं, मेरा मानना है कि यह इटली के नीचे है। वहाँ वे नाव को डुबो देते हैं और प्रेरितों के काम अध्याय 27 प्राचीन दुनिया से जहाज़ के डूबने का सबसे अच्छा वर्णन है। लूका वहाँ है और इसका बहुत विस्तार से वर्णन करता है और यह सब हम, हम, हम प्रेरितों के काम अध्याय 27 में वर्णन करते हैं।

इसलिए हम जानते हैं कि हम यह पता लगा सकते हैं कि यह कौन है, हम तब एक निष्कासन प्रक्रिया का उपयोग करते हैं और मैं सभी विवरणों में नहीं जाना चाहता, लेकिन मूल रूप से जो पॉल के साथ केवल त्रोआस से फिलिप्पी तक दूसरी मिशनरी यात्रा में और फिलिप्पी से वापस यरूशलेम में तीसरी मिशनरी यात्रा में था और जो रोम में जहाज़ के डूबने पर पॉल के साथ था। यह रोम जाता है और फिर रोम में पॉल के साथ कौन है? यह ल्यूक है। तो आप निष्कासन के माध्यम से पता लगा सकते हैं कि यह स्पष्ट रूप से जॉन मार्क नहीं है क्योंकि वह पहली मिशनरी यात्रा से बाहर निकल गया और कभी दूसरी तक नहीं पहुँचा और आप इन सभी लोगों से गुज़रते हैं, यह बरनबास नहीं हो सकता क्योंकि वह वहाँ नहीं था। यह सीलास नहीं हो सकता जो रोम की यात्रा पर नहीं था। आप एक के बाद एक व्यक्ति से गुज़रते हैं और केवल एक व्यक्ति है जो इन सभी समयों में पॉल के साथ था और वह ल्यूक है। तो इस तरह हम ल्यूक तक पहुँचते हैं।

अब , ल्यूक, वैसे, हमें कहना चाहिए कि वह ल्यूक की पुस्तक लिखता है जो बहुत बड़ी है। हमने अभी मार्क की पुस्तक पढ़ी है, हमने अभी कक्षा में मार्क की पुस्तक पढ़ी है। ल्यूक में 1100 से अधिक श्लोक हैं। प्रेरितों के काम की पुस्तक भी 28 अध्यायों वाली है जो

कम से कम नए नियम में बाइबिल की सबसे लंबी पुस्तकों में से एक है। मैथ्यू में 28 अध्याय हैं। प्रेरितों के काम में 28 अध्याय हैं। तो ये ल्यूक और प्रेरितों के काम एक तरह से पुस्तकों की जोड़ी की तरह हैं जो एक त्रयी की तरह नहीं बल्कि एक युगल-विज्ञान की तरह एक साथ चलते हैं और इसलिए हमारे पास ल्यूक में यीशु और प्रेरितों के काम, चर्च की कहानियों के बारे में है। तो ये दो पुस्तकें नए नियम का 28% हैं। तो ल्यूक और प्रेरितों के काम के बीच ल्यूक लिखते हैं जो नए नियम का 28% लिखते हैं और यह एक बड़ी बात है कि यह नए नियम का एक बड़ा हिस्सा है।

एफ. ल्यूक की पृष्ठभूमि – एक डॉक्टर [12:49-16:34]

बी: संयुक्त एफजी; 12:49-21:15; डॉक्टर ल्यूक एक गैर-यहूदी

अब ल्यूक की पृष्ठभूमि: ल्यूक के बारे में सवाल यह है कि ल्यूक एक डॉक्टर था और ल्यूक को डॉक्टर के रूप में दिखाने के मामले में हमारे पास कुछ दिलचस्प बातें हैं। 1900 के दशक के अंत में होबार्ट नाम के इस व्यक्ति ने अपनी शब्दावली से यह साबित करने की कोशिश की कि वह एक डॉक्टर था। इसलिए उसने इस तरह की बातें नोट कीं, कि प्राचीन दुनिया में बुखार को संदर्भित करने के मूल रूप से दो तरीके थे। एक हल्का बुखार और एक तेज़ बुखार था और यह बहुत दिलचस्प है कि ल्यूक अध्याय 4 पद 38 में कहा गया है कि पीटर की सास को तेज़ बुखार था। तो "तेज़" बुखार एक डॉक्टर का वर्णन है, उस समय डॉक्टर इसका वर्णन इसी तरह करते थे। ल्यूक अध्याय 5 पद 12, लोग कोढ़ से भरे हुए थे, यह नहीं कहता कि कोई कोढ़ी था, वह कोढ़ का वर्णन करता है क्योंकि एक डॉक्टर बीमारियों का वर्णन करता है, इसलिए "लोग कोढ़ से भरे हुए थे।" इसलिए होबार्ट और अन्य लोगों ने यह सुझाव देने की कोशिश की कि जिस तरह से ल्यूक बीमार व्यक्तियों का वर्णन करता है, उसी तरह से एक चिकित्सा व्यक्ति इसका वर्णन करेगा और यह संभव है कि इसमें कुछ सच्चाई हो। मैं इस पर जोर नहीं दूंगा, हालांकि वह कहता है कि ल्यूक बहुत विकसित शब्दावली का उपयोग करता है, उसके पास 800 शब्द हैं जिन्हें वे *हापैक्स लेगोमेना* कहते हैं, जिसका अर्थ है कि वे नए नियम में केवल एक बार आते हैं, जिसका अर्थ

है कि उसकी शब्दावली बहुत विकसित है। यदि आपने कभी डॉक्टरों को देखा है, तो डॉक्टरों के पास बहुत विकसित शब्दावली होती है, विशेष रूप से लैटिन शब्द, जो जानते हैं कि कौन सी दवाएँ दी जानी चाहिए। मेरी बेटी अब मुझे दिखाती है कि उसके पास एक हाथ में पकड़ने वाला उपकरण है जिसे आप बस दबा सकते हैं और यह दवाओं के लिए इन लंबे शब्दों के नाम दिखाता है। आप बस उन पर क्लिक कर सकते हैं और यह उन्हें सीवीएस को भेज देता है। और इसलिए आपको अब इन नामों को याद रखने या उन्हें भ्रमित करने या उस तरह की चीज़ करने की ज़रूरत नहीं है। ल्यूक के पास एक विकसित शब्दावली प्रतीत होती है।

यह दिलचस्प है कि उन्होंने जोसेफस का अध्ययन किया, जिसके पास भी एक व्यापक शब्दावली थी और वह चीजों का वर्णन करने में कई चिकित्सा शब्दों का भी उपयोग करता था, लेकिन जोसेफस एक इतिहासकार था। इसलिए सिर्फ इसलिए कि किसी व्यक्ति के पास एक विकसित शब्दावली है और वह कुछ चिकित्सा शब्दों का उपयोग करता है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह एक डॉक्टर है। इसलिए जोसेफस एक इतिहासकार था, वह डॉक्टर नहीं था। हालाँकि, ल्यूक एक डॉक्टर लगता है, लेकिन आप इसे केवल शब्दावली के आधार पर साबित नहीं कर सकते हैं और यह चिकित्सा भाषा का तर्क है। मैं उस पर बहुत अधिक भरोसा नहीं करूँगा। कई लोग चीजों को संदर्भित करने के लिए चिकित्सा शब्दों का उपयोग कर सकते हैं और इसलिए उस तर्क को बहुत अधिक महत्व न दें। जोसेफस, जैसा कि हमने उल्लेख किया है, मुझे नहीं पता कि 40 ईस्वी से 100 ईस्वी तक यह एक अनुमानित आंकड़ा है, लेकिन काफी हद तक यीशु के ठीक बाद लेकिन उस युग में जब जॉन और शिष्य नया नियम लिख रहे थे। जोसेफस एक यहूदी इतिहासकार है जो *यहूदियों की प्राचीनता लिख रहा है* और उस अवधि से अन्य दस्तावेज वास्तव में बहुत दिलचस्प हैं।

मेरे लिए यह एक बहुत बड़ी बात है कुलुस्सियों 4:14, पॉल ने उसे लेबल किया और उसे "लूका, प्रिय चिकित्सक" कहा। मैं प्राचीन दुनिया के डॉक्टरों के बारे में ज़्यादा नहीं जानता लेकिन मैंने डॉक्टरों के उपकरण देखे हैं जो अमेरिका में पहले इस्तेमाल किए जाते

थे, मैं बस इतना कह रहा हूँ कि आज के डॉक्टरों के पास बहुत, बहुत, अलग उपकरण हैं, बहुत अलग प्रक्रियाएँ हैं जो उस समय के डॉक्टरों से अलग हैं। इसलिए मुझे नहीं पता कि उस समय डॉक्टरों का प्रशिक्षण कैसा था लेकिन मैं निश्चित रूप से उस समय के डॉक्टरों द्वारा ऑपरेशन नहीं करवाना चाहूँगा। आप देख सकते हैं कि पॉल को हर समय पीटा जा रहा था, पॉल को पत्थर मारकर मार डाला गया था लेकिन साथ में एक डॉक्टर का होना बहुत मददगार होगा। यह कुछ इस तरह है, अगर आप कोई कंपनी शुरू करने जा रहे हैं तो आपको एक अकाउंटेंट की ज़रूरत है अगर आप एक मिशनरी बनने जा रहे हैं और आपको हर समय पीटा जाएगा तो आपके साथ एक डॉक्टर का होना अच्छा है जो आपके साथ यात्रा करता है इसलिए कुलुस्सियों 4:14 में पॉल ने लूका को "प्रिय चिकित्सक" कहा है।

जी. लूका: अन्यजाति या यहूदी? [16:34-21:15]

यह भी दिलचस्प है कि वह एक गैर-यहूदी लगता है। ऐसा लगता है कि वह यहूदी नहीं है और ऐसी कई बातें हैं जो इस बात का संकेत देती हैं, हम उनमें से कुछ पर संक्षेप में नज़र डालना चाहते हैं। लगता है कि लूका यहूदी नहीं है? लूका की पुस्तक में यीशु कभी भी अरामी भाषा नहीं बोलते हैं। यीशु अरामी भाषा नहीं बोलते हैं। कुछ ऐसी बातें जो यीशु के लिए इस्तेमाल की गई थीं, जैसे कि *तलिथा कौम* "छोटी लड़की बाहर निकलो" या *एलोई* *एलोई लामा सबाक्तानी*, इस तरह की बातें जो यीशु ने अरामी भाषा में कही थीं, वे यीशु के मुँह से नहीं मिलती हैं। इसलिए अगर वह ट्रुआस का एक रोमन नागरिक है, तो उसकी पृष्ठभूमि ग्रीको-रोमन है, शायद वह यहूदी नहीं है। इसलिए वह अरामी भाषा नहीं बोलता और इस तरह की बातें सीखता है, हालाँकि वह दो साल तक इज़राइल में रहा था, और एक व्यक्ति जो होशियार है, आप उसे दो साल दें, एक विदेशी देश में रहने वाला व्यक्ति, मेरा अनुमान है कि वह कुछ अरामी भाषा सीखेगा। मैंने भी कुछ अरबी सीखी थी जब हम बेथलेहम के बाहर एक साल के लिए चर्च गए थे और इसलिए आप कुछ चीज़ें सीख सकते हैं। वह वहाँ दो साल तक रहा था, इसलिए वह संभवतः ऐसा कर सकता था। पुस्तक में हिब्रू नामों को भी नहीं लिया गया है, वहाँ कोई "शैतान" संदर्भ नहीं है। गेथसेमेन का उल्लेख नहीं है या "होसन्नास।" क्या आपको याद है कि यीशु यरूशलेम में गधे पर सवार होकर आए थे

और वे सभी "होसन्ना" कहते हैं। लेकिन वे सभी अरामी वाक्यांश हैं और यह ल्यूक की पुस्तक में नहीं पाया जाता है। तो फिर, नहीं-ये केवल छोटे संकेतक हैं, लेकिन इतना साबित नहीं करते हैं कि वह मूल यहूदी नहीं है।

जब पौलुस ने कुलुस्सियों के अध्याय 4 पद 10 में अपने मित्रों की सूची बनाई, तो लूका को अन्यजातियों के साथ समूहीकृत किया गया, यहूदियों के साथ नहीं। इसलिए ऐसा लगता है कि वह फिर से अन्यजातियों के समूह में है, जो कि मजबूत नहीं है

। यह मेरे लिए सबसे मजबूत तर्कों में से एक है, प्रेरितों के काम 1:19 में यहूदा बाहर जाता है और खुद को फांसी लगा लेता है और पैसे वापस मुख्य पुजारी को देता है और मुख्य पुजारी एक खेत खरीदता है जिसे असलदामा कहा जाता है और यह कहता है, "असलदामा, जिसका अर्थ उनकी भाषा में खून का खेत है।" अब जब ल्यूक प्रेरितों के काम की किताब में "उनकी भाषा में" कहता है तो इसका मतलब है कि वह भाषा नहीं बोलता है। "उनकी भाषा" उसकी भाषा नहीं है। उसकी भाषा शायद ग्रीक और लैटिन होगी न कि अरामी। इसलिए "उनकी भाषा" में वह उसी का उल्लेख कर रहा है। इसलिए वह एक गैर-यहूदी होगा और इज़राइल से नहीं होगा।

वह स्थानों के बारे में भी बताता है, इसलिए अध्याय 1 पद 26 में यदि आप यहूदी हैं तो यह ऐसा होगा जैसे आप कह रहे हों कि आप एक अमेरिकी हैं और यदि कोई कहता है LA तो आपको पता है कि LA कहाँ है आप जानते हैं कि लास वेगास कहाँ है आप जानते हैं कि डलास कहाँ है आप जानते हैं कि मियामी, न्यूयॉर्क, बोस्टन, नियाग्रा फॉल्स आप अमेरिका में मिनियापोलिस या शिकागो जैसे प्रमुख स्थानों को जानते हैं, इस प्रकार की चीजें। वे अमेरिका में हर किसी के लिए आम हैं। यहाँ यदि आप किसी अन्य देश से हैं तो आप शहरों या स्थानों को नहीं जानते होंगे, आप एक या दो को जानते होंगे और फिर आप केवल उन एक या दो स्थानों पर ध्यान केंद्रित करते हैं लेकिन यह दिलचस्प है कि अध्याय 1 पद 26 में ल्यूक 1:26 की पुस्तक में "छठे महीने में भगवान ने स्वर्गदूत गेब्रियल को गलील के एक शहर नासरत में भेजा।" अब वह गलील में इस शहर को जोड़ता है। यदि आप मूल निवासी हैं तो आप ऐसा नहीं करेंगे पुराने नियम के उद्धरण मैथ्यू की पुस्तक में चालीस

उद्धरण हैं और साथ ही मैथ्यू की पुस्तक में सभी प्रकार के प्रभाव हैं पुराने नियम की बातें जैसे: "यह लिखा गया है," या "आपने इसे पुराने समय में कहा है।" ल्यूक इन सभी को हटा देता है। अब उसके पास पुराने नियम से बहुत कम उद्धरण हैं और ज्यादातर जब पुराने नियम से उद्धरण आते हैं तो वे यीशु के मुंह से होते हैं। अध्याय 4 श्लोक 4, अध्याय 4 श्लोक 8, अध्याय 4 श्लोक 12 ज्यादातर यीशु के मुंह से हैं जब आपको पुराने नियम के उद्धरण मिलते हैं।

तो हमारे पास ल्यूक एक गैर-यहूदी के रूप में है, ल्यूक इजरायल से नहीं है, वह संभवतः उत्तर-पश्चिमी तुर्की से है जो ट्रॉय के पास ट्रोआस के पास है। आपने इलियड और ओडिसी से ट्रॉय के बारे में सुना होगा। ट्रोआस उत्तर-पश्चिमी तुर्की के उस क्षेत्र में है।

H. क्या लूका और प्रेरितों के काम एक दूसरे से संबंधित हैं? [21:15-27:17]

C: संयुक्त H; 21:15-27:17; लूका और प्रेरितों के काम

अब अधिनियम और लूका का क्या संबंध है? मैं मूल रूप से इस पर काम करना चाहता हूँ। अधिनियम और लूका का संबंध और ये कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण आयतें हैं, हम उन पर वापस आने वाले हैं, लेकिन मैं लूका 1:1-4 को ही पढ़ूँगा। श्रोता कौन हैं? लूका एक गैर-यहूदी डॉक्टर है, जाहिर तौर पर बहुत अच्छी तरह से शिक्षित है, लूका का वाक्यविन्यास, शब्दावली और व्याकरण बहुत परिष्कृत है। मैंने 800 *हैपैक्स लेगोमेना* शब्दों को नोट किया है जो नए नियम में एक बार उपयोग किए जाते हैं, लूका और अधिनियम की पुस्तक में बहुत ही दुर्लभ शब्दों का उपयोग किया जाता है। इसलिए लूका अपनी लेखन शैली के संदर्भ में बहुत ही परिष्कृत व्यक्ति है। लूका अध्याय 1 आयत 1 - 4 में यह कहा गया है: "बहुतों ने उन बातों का लेखा-जोखा तैयार करने का बीड़ा उठाया है जो हमारे बीच भरी हुई हैं, ठीक वैसे ही जैसे वे उन लोगों द्वारा हमें सौंपी गई थीं जो पहले से ही प्रत्यक्षदर्शी और वचन के सेवक थे। इसलिए, चूँकि मैंने खुद शुरू से ही सब कुछ सावधानीपूर्वक जाँच लिया है, इसलिए मुझे यह भी अच्छा लगा कि मैं आपके लिए एक व्यवस्थित विवरण लिखूँ, ताकि आप उन बातों

की निश्चितता जान सकें जो आपको सिखाई गई हैं।" तो आपको ल्यूक मिला, हाँ, उत्तरी तुर्की से एक गैर-यहूदी डॉक्टर। चर्च के एक पिता ने कहा कि वह सीरिया के एंटीओक से था, जो भी हो, लेकिन वह उन क्षेत्रों से गैर-यहूदी है जो हमारे लेखक हैं। और अब वह किसे लिख रहा है? वह वास्तव में सूचीबद्ध करता है कि वह किसे लिख रहा है और वह इस पते पर सबसे उत्कृष्ट थियोफिलस को बुलाता है। अब, जो दिलचस्प है वह यह है कि यदि आप प्रेरितों के काम के पहले अध्याय पर जाएँ। अब, मैं यहाँ रहते हुए एक बात करना चाहूँगा, जब वह कहता है, "सबसे उत्कृष्ट थियोफिलस," क्या आप देखते हैं कि यह इस व्यक्ति को प्रतिष्ठा दे रहा है। तो, बहुत से लोग मानेंगे कि यह थियोफिलस प्रतिष्ठा वाला व्यक्ति है। मैं बस कार्ड टेबल पर रखता हूँ, बहुत से लोग सोचते हैं, और कई अन्य लोग मानते हैं, कि ल्यूक सबसे उत्कृष्ट थियोफिलस को लिख रहा है क्योंकि, इस समय पॉल कहाँ है? पॉल जेल में है? वह रोम की जेल में है, उसने सीज़र की अदालत में रोम से अपील की और मूल रूप से जो हुआ वह यह है कि लूका ने सबसे बढ़िया थियोफिलस को सबसे पहले यीशु और वहाँ जो कुछ हुआ उसके बारे में बताने के लिए लिखा और यही कारण है कि प्रेरितों के काम की पुस्तक, अध्याय 12 या 13 के बाद, पॉल के बारे में बहुत कुछ है। तो आपके पास जो है वह यह है कि लूका ने यीशु और पॉल के बारे में बताते हुए ये दो किताबें लिखी हैं ताकि सबसे बढ़िया थियोफिलस कुछ वजन डाल सके और पॉल को जेल से बाहर निकाल सके। और इसलिए यह संभव है कि ये दो किताबें पॉल को जेल से बाहर निकालने में मदद करने के लिए लिखी गई थीं ताकि उसे मार न दिया जाए और उसे फांसी न दी जाए। मुझे लगता है कि वह सबसे बढ़िया थियोफिलस को लिख रहा है, जो अदालत के मामले में कुछ वजन डाल सकता है।

अब, सबसे उत्कृष्ट थियोफिलस को दूसरी तरह से भी लिया जा सकता है यदि आप इस शब्द को अलग-अलग हिस्सों में तोड़ते हैं तो आप देखते हैं कि इस शब्द में *थियो* थियोलॉजी है, *थियो* का मतलब है ईश्वर। *फिलस* का मतलब है, फिलाडेल्फिया के प्यार की तरह, *फिलेव* का मतलब है फिलाडेल्फिया के भाईचारे के प्यार जैसा प्यार। *फिलेव का मतलब है प्यार एडेलफोस* का मतलब है भाईचारा। फिलाडेल्फिया "भाईचारे के प्यार" का

शहर है या कम से कम यह हुआ करता था। थियोफिलस, भगवान का प्रेमी, इसलिए कुछ लोग सोचते हैं कि यह एक तरह का उपनाम है, भगवान का प्रेमी भगवान का सबसे उत्कृष्ट प्रेमी। वह उन लोगों के चरित्र का वर्णन कर रहा है जिनके लिए वह लिख रहा है, वे भगवान के प्रेमी हैं। मुझे नहीं लगता कि यह सच है मुझे लगता है कि सबसे उत्कृष्ट थियोफिलस उस व्यक्ति का शीर्षक है जिसे वह लिख रहा है लूका मसीह को प्रस्तुत करने और यह बताने की कोशिश कर रहा है कि पॉल कौन था जिसने कहा, "अब आपको तथ्य मिल गए हैं, आप कैसर की अदालत में जा सकते हैं और पॉल की मदद कर सकते हैं और उसे जेल से बाहर निकाल सकते हैं," नए नियम का 28% - वाह, यहाँ हम जाते हैं यहाँ वह श्लोक है जिसे मैंने अभी आपको पढ़ा है। लूका अध्याय 1 "बहुतों ने हमारे बीच में जो बातें पूरी हुई हैं, उनका लेखा-जोखा तैयार करने का बीड़ा उठाया है, जैसा कि हमें सौंपा गया है। जैसा कि आप देख सकते हैं कि वह यहाँ प्रत्यक्षदर्शी या प्रत्यक्षदर्शी नहीं है।" बहुत बढ़िया थियोफिलस, अब इस मुद्दे को उठाने की बात "ताकि आप उन बातों की निश्चितता जान सकें जो आपको सिखाई गई हैं।" इसका उद्देश्य इसे प्रेरितों के काम अध्याय 1 से तुलना करना है। प्रेरितों के काम अध्याय 1 पद 1 में वह कहता है, "मेरी पिछली पुस्तक में," और वह सूचीबद्ध करता है कि उसके पास एक पिछली पुस्तक है, "मेरी पिछली पुस्तक में थियोफिलस उसी थियोफिलस व्यक्ति की पहचान करता है जिसका उसने लूका की पुस्तक में उल्लेख किया है। इसलिए लूका की शुरुआत में थियोफिलस का उल्लेख किया गया है और प्रेरितों के काम की शुरुआत में थियोफिलस का उल्लेख किया गया है। प्रेरितों के काम की पुस्तक में यह कहा गया है, "मेरी पिछली पुस्तक में," इसलिए यह - यह लूका की पुस्तक को संदर्भित करता है। इसलिए आपको लूका और प्रेरितों के काम की पुस्तक के बीच यह संबंध मिलता है, दोनों लूका अध्याय 1 और प्रेरितों के काम अध्याय 1 द्वारा सबसे उत्कृष्ट थियोफिलस को लिखे गए हैं। तो दोनों पुस्तकें आपस में जुड़ी हुई हैं। अब, पिछली पुस्तक के बारे में हमने आगे-पीछे बात की और यह कोई गुमनाम व्यक्ति नहीं है जिसने ल्यूक की पुस्तक लिखी है, लोगों को पता है कि वह सबसे बेहतरीन थियोफिलस को लिख रहा है और वे जानते हैं कि वह कौन है। ऐसा नहीं है, मुझे ऐसा लगता है, प्राप्तकर्ता भी जानता था कि "मैं"

कौन था प्राप्तकर्ता, थियोफिलस, जानता था कि "मैं" कौन था। हमने कहा कि शब्दावली और शैली, बहुत, बहुत विकसित शब्दावली, शैली वाक्यविन्यास की दृष्टि से एक बहुत ही परिष्कृत लेखक था।

I. लूका को सुसमाचार लिखने का क्या अधिकार है? [27:17-29:49]

डी: संयुक्त आईएल; 27:17-40:23; ल्यूक के स्रोत

अब, यहाँ वह प्रश्न है जो मैं लूका 1:1-4 के संदर्भ में पूछना चाहता हूँ। लूका तो गैर-यहूदी है; वह यहूदी नहीं है, वह प्रेरित नहीं है। तो लूका को सुसमाचार लिखने का क्या आधार मिलता है और प्रेरितों के काम की पुस्तक में? किस आधार पर लूका को ऐसा करने का मौका मिलता है? हमने आरंभिक चर्च में देखा कि मत्ती एक प्रेरित है, मरकुस को लिखने का मौका मिलता है, लेकिन मरकुस को पतरस के अधिकार के तहत पतरस का सुसमाचार लिखने का मौका मिलता है। यूहन्ना की पुस्तक पर कुछ बहस चल रही है कि यूहन्ना को किसने लिखा, लेकिन संभवतः यूहन्ना, जो जेबेदी का पुत्र था, फिर से एक प्रेरित, यीशु का प्रिय शिष्य था। तो फिर आपको पॉल मिलता है जो नए नियम का अधिकांश भाग लिखता है, याकूब, यीशु का भाई, यहूदा जो यीशु का भाई है, और यूहन्ना प्रकाशितवाक्य की पुस्तक लिखता है। तो आपको एक प्रेरित या प्रेरित से संबंधित कोई व्यक्ति मिलता है। तो फिर लूका को प्रेरणा कैसे मिलती है और वह फिर लिखने की प्रक्रिया में कैसे आता है? लूका कभी यीशु से नहीं मिला। लूका, जाहिर तौर पर पॉल की दूसरी मिशनरी यात्रा [2MJ] पर एक ईसाई बन जाता है, हम 51 ई. की बात कर रहे हैं, यह यीशु की मृत्यु के लगभग 20 साल बाद की बात है। लूका एक ईसाई बन जाता है, वह कभी यीशु से नहीं मिला, वह यीशु को नहीं जानता था, इसलिए लूका को अपनी सामग्री दूसरे हाथ से मिल रही है। किस आधार पर लूका केवल पवित्र आत्मा के आधार पर लिखता है? यदि लूका यहूदी नहीं था, शिष्य नहीं था और वह प्रत्यक्षदर्शी नहीं था, वह प्रत्यक्षदर्शी नहीं था जिसने यीशु को देखा था, तो वह सुसमाचार कैसे लिख सकता है? वह सुसमाचार कैसे लिख सकता है जब वह प्रत्यक्ष रूप से वहाँ नहीं था और जाना नहीं जाता था? इसलिए मैं जो करना चाहता हूँ वह इस अवधारणा के

साथ काम करना है कि किसी ऐसे व्यक्ति के लिए प्रेरित होने का क्या मतलब है जो प्रत्यक्षदर्शी नहीं था जैसे मैथ्यू एक प्रत्यक्षदर्शी था और उसने इन चीजों को देखा था, इसलिए वह उनकी पुष्टि कर सकता था और उन्हें जानता था। लूका ऐतिहासिक शोध के माध्यम से उनकी पुष्टि कर सकता था, इसलिए प्रेरणा का क्या संबंध है? यह सवाल है: प्रेरणा का क्या संबंध है? सभी शास्त्र ईश्वर की प्रेरणा से लिखे गए हैं, 2 तीमुथियुस 3:16 ईश्वर के पवित्र पुरुषों ने ईश्वर की आत्मा से प्रेरित होकर बात की, न कि स्वयं से 2 पतरस 1:21 से। इसलिए, सभी शास्त्र ईश्वर द्वारा प्रेरणा से दिए गए हैं। प्रेरणा का ऐतिहासिक शोध से क्या संबंध है? ल्यूक नए नियम का इतिहासकार प्रतीत होता है और वह ऐतिहासिक शोध करता प्रतीत होता है। प्रेरणा, शास्त्र की ईश्वर-प्रणयता का शास्त्र के ऐतिहासिक शोध से क्या संबंध है? इसलिए हम इस पर गौर करना चाहते हैं।

जे. लूका के लिए प्रेरणा की प्रक्रिया: FRASES [29:49-34:00]

ल्यूक 1:1-4 हमें बाइबल में कहीं भी सबसे अच्छा विवरण देता है, लेकिन नए नियम में सबसे अच्छा विवरण यह है कि वह वास्तव में सामग्री के साथ कैसे आया, इसलिए यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि लोग इस सामग्री को कैसे लिख रहे हैं और मैं यहाँ इस एक्रोस्टिक का उपयोग करना चाहता हूँ, मैं इन एक्रोस्टिक का भी उपयोग करता हूँ ताकि मैं चीजों को याद रख सकूँ, FRASES "वाक्यांश" को F के साथ लिखा जाता है, मैं बस ल्यूक 1:1-4 के प्रकाश में इस पर काम करना चाहता हूँ। सबसे पहले, हम शुरू से ही जानते हैं कि ल्यूक कहता है कि वह प्रत्यक्षदर्शी नहीं है। ल्यूक कहते हैं, "बहुतों ने हमारे बीच में जो कुछ हुआ है, उसका लेखा-जोखा तैयार करने का बीड़ा उठाया है, जैसा कि उन लोगों ने हमें सौंपा है जो पहले प्रत्यक्षदर्शी के रूप में काम करते हैं। वह खुद प्रत्यक्षदर्शी नहीं था, इसलिए पहली बात, यह प्रत्यक्ष-हाथ की जानकारी नहीं है। ल्यूक स्रोतों का उपयोग कर रहा है, यह प्रत्यक्ष-हाथ की जानकारी नहीं है, वह यीशु को नहीं जानता था, उसने यीशु को नहीं देखा था। वह नहीं जानता था कि यह प्रत्यक्ष-हाथ की जानकारी नहीं है। यह सामग्री उसे उन लोगों से मिली थी जो प्रत्यक्षदर्शी थे, इसलिए सबसे पहले वह प्रत्यक्ष-हाथ का गवाह नहीं था। इसलिए,

वह हमारा "एफ" है, वह शोध करता है। ल्यूक शोध करता है। यह सामग्री उसका ऐतिहासिक शोध है, इसलिए लोग उसे डॉक्टर कहते हैं, वह भी ऐतिहासिक शोध करता हुआ प्रतीत होता है। हम अलग-अलग स्रोतों पर वापस आएं। लेकिन वह कहता है कि उसे अपनी जानकारी उन लोगों से मिली थी जो थे, जानकारी "हमें सौंपी गई थी," इसलिए वह परंपरा की पंक्ति में है। कोई व्यक्ति जानकारी दे रहा है, वह प्रत्यक्षदर्शी नहीं था। वह शोध करता है और इसे एक साथ रखता है और फिर यह कहता है कि कई खाते उपलब्ध थे, और ल्यूक यह स्पष्ट रूप से कहता है "कई उन्होंने कहा, "मैंने हिसाब-किताब तैयार करने का बीड़ा उठाया है।" उन्हें कई खातों की जानकारी है।

यह दिलचस्प है, है न, लूका रोम में पॉल के साथ है, याद रखें "सबने मुझे छोड़ दिया है; लूका मेरे साथ है। मार्क को ले आओ और उसे अपने साथ ले आओ।" तो लूका रोम में पॉल के साथ था, जहाज़ के डूबने की घटना याद है और वह पॉल के साथ रोम जाता है। जॉन मार्क भी पीटर के साथ रोम में है और हम उस समय अवधि में 65, 64 ई. की बात कर रहे हैं। तो पॉल और लूका वहाँ हैं और जॉन मार्क और पीटर वहाँ हैं। तो यह बहुत संभव है, लूका यहाँ कहता है "बहुतों ने काम किया है।" मैं इसे फिर से पढ़ता हूँ। "बहुतों ने उन बातों का लेखा-जोखा तैयार करने का काम किया है जो हमारे बीच पूरी हुई हैं।" लूका यीशु के बारे में अन्य दस्तावेज़ों से अवगत है। तो वह अन्य खातों से अवगत है तो क्या यह संभव है कि वह मार्क पीटर, दूसरों से स्रोत खींचता है?

तो, अब, और फिर वह कहता है, "बहुतों ने हमारे बीच की बातों का लेखा-जोखा तैयार करने का बीड़ा उठाया है, जैसा कि उन लोगों से हमें सौंपा गया था जो वचन के सेवकों के पहले चश्मदीद गवाह थे। इसलिए, चूँकि मैंने शुरू से ही सब कुछ ध्यान से जाँचा है (यह शोध है) इसलिए मुझे लगा कि मैं आपके लिए एक व्यवस्थित विवरण लिखूँ, महामहिम थियोफिलस।" तो, मूल रूप से, ल्यूक कह रहा है "हाँ, अन्य लोग," उसने कहा, "मैंने जानकारी को व्यवस्थित करने की कोशिश की और मैं आपके लिए एक व्यवस्थित विवरण लिखने जा रहा हूँ महामहिम थियोफिलस।" और इसलिए ल्यूक को यह कहते हुए देखना अच्छा लगता है, "मैं इसे व्यवस्थित कर रहा हूँ और," आप देख सकते हैं कि ल्यूक

इस बारे में सोच रहा है कि वह कैसे लिख रहा है। वह सिर्फ लिखकर नहीं लिख रहा है। उसने कहा, "नहीं, मैं चीज़ें डालने जा रहा हूँ - बहुत सारे विवरण हैं। मेरे पास बहुत सारे स्रोत हैं।" और आप उन्हें पुराने दिनों में 3x5 कार्ड सेट करते हुए देख सकते हैं। वह एक पेपर लिखने जा रहा है और वह अपनी सामग्री को देख रहा है और व्यवस्थित कर रहा है। आज हम एमएस वननोट या ऐसा कुछ इस्तेमाल करेंगे जहाँ आप अपना पेपर लिखने से पहले अपने नोट्स व्यवस्थित कर सकते हैं, आप इसे पूरी तरह व्यवस्थित कर सकते हैं, इसलिए वह एक व्यवस्थित रूप से व्यवस्थित खाता लिखने जा रहा है, यही उसका लक्ष्य है।

के. प्रत्यक्षदर्शी विवरण [34:00-36:51]

ल्यूक प्रत्यक्षदर्शियों के बारे में बहुत जागरूक हैं। उन्होंने कहा कि मुझे जो सामग्री मिली, वह प्रत्यक्षदर्शियों से मिली, यही एक सच्चे इतिहासकार की पहचान है; वह प्रत्यक्षदर्शियों से ही चीज़ें लेता है।

अब क्या यह संभव है कि चश्मदीदों के पास एक ही कहानी के अलग-अलग रिकॉर्ड हो सकते हैं? मुझे लगता है कि एक कहानी है, मैं याद करने की कोशिश कर रहा हूँ कि यह किसने कहा, लेकिन एक महिला की कहानी है जो सड़क के किनारे खड़ी थी और उसे मूल रूप से एक बस ने टक्कर मार दी थी यह एक चश्मदीद गवाह का बयान है और दो चश्मदीद गवाह होने वाले हैं, दो चश्मदीद गवाह होने वाले हैं। दूसरे शब्दों में, मैं कह रहा हूँ कि क्या दो चश्मदीद गवाहों के बयान एक-दूसरे से असहमत हो सकते हैं? एक महिला सड़क के किनारे खड़ी है यह एक चश्मदीद गवाह है पहला चश्मदीद: महिला सड़क के किनारे खड़ी थी बस ने उसे टक्कर मार दी वह घायल हो गई लेकिन घातक नहीं थी और उसे अस्पताल ले जाया गया वह एक बस से टकरा गई थी घायल हो गई, मरी नहीं, और उसे अस्पताल ले जाया गया यह पहला चश्मदीद गवाह है। दूसरा चश्मदीद: महिला को एक कार से टक्कर मार दी गई एक का कहना है कि उसे टक्कर मारी गई और वह तुरंत मर गई, जबकि दूसरे का कहना है कि उसे टक्कर मारी गई और वह तुरंत नहीं मरी और उसे अस्पताल ले जाया गया। खैर, असली कहानी यह हुई कि महिला बस का इंतजार कर रही

थी, एक बस ने उसे टक्कर मार दी और वह गंभीर रूप से घायल हो गई और एक नेकदिल व्यक्ति ने उसे अपनी कार में उठाया और फिर उसे अस्पताल ले जा रहा था, तभी उसकी कार को टक्कर लगी और वह कार से गिर गई और तुरंत मर गई। तो आप यहाँ दो बहुत अलग-अलग कहानियाँ देखते हैं और फिर भी बहुत अलग-अलग प्रत्यक्षदर्शी खाते हैं। ल्यूक एक अच्छा इतिहासकार था, वह प्रत्यक्षदर्शी खातों से वाकिफ था और यह एक अच्छे इतिहासकार की निशानी है। अगर खाते आपस में टकराते भी हैं, तो भी प्रत्यक्षदर्शी खातों पर वापस जाने की कोशिश करें, वह उन्हें एक साथ रखेगा और पूरी तस्वीर पाने की कोशिश करेगा। इसलिए वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उसके स्रोत प्रत्यक्षदर्शी थे या नहीं। वह खुद प्रत्यक्षदर्शी नहीं है, लेकिन वह इस बात को पहले ही स्वीकार कर लेता है। यहाँ थोड़ी ईमानदारी है। वह कई अन्य खातों से स्रोतों का उपयोग करता है, इसलिए वह स्रोतों का उपयोग करने जा रहा है और इसलिए हम विभिन्न स्रोतों की तलाश कर सकते हैं।

लूका को यह जानकारी कहाँ से मिली? पॉल, सीलास, मार्क [36:51-40:23]

दरअसल, मैं आगे कुछ स्रोतों पर नज़र डालना चाहता हूँ। किस तरह के स्रोत? वह कभी यीशु से नहीं मिला, तो उसे जानकारी कहाँ से मिल रही है? यह संभव है कि वह मार्क के बारे में जानता हो। बहुत से लोग कहेंगे कि मार्क को पहले लिखा गया था और मैथ्यू और ल्यूक ने उसी से लिया, वैसे, क्या यह अलग बात होगी? अगर मैथ्यू ने मार्क का इस्तेमाल किया और मैथ्यू ज़्यादातर समय यीशु के साथ रहा तो उसे पहले से पता होगा और वह मार्क के स्रोत को समझ पाएगा। वह मैथ्यू की किताब में जो कहना चाहता था, वह कहेगा। दूसरी ओर, ल्यूक वहाँ नहीं था इसलिए उसने मार्क का इस्तेमाल मैथ्यू से अलग तरीके से किया। लेकिन उसने स्रोतों का इस्तेमाल किया।

लूका को यह जानकारी कहाँ से मिली? वह यीशु को प्रत्यक्ष रूप से नहीं जानता था, लेकिन वह पौलुस को जानता था जो एक प्रेरित था। याद कीजिए, दमिश्क के रास्ते पर पौलुस यीशु से मिला और इसलिए यीशु आकर पौलुस से मिलता है और उसे नीचे गिरा देता

है और पौलुस यीशु को जानता है और लिखता है। वह वास्तव में नए नियम के बहुत से पत्र लिखता है जैसे रोमियों, कुरिन्थियों, गलातियों, इफिसियों, फिलिपियों, कुलुस्सियों आदि।

सीलास यीशु को जानता था और यरूशलेम में उस मूल समुदाय के आसपास था। इसलिए, पौलुस और सीलास दूसरी मिशनरी यात्रा पर यात्रा कर रहे थे और सीलास वहाँ रहा होगा। लूका सीलास को जानता होगा और सीलास ने यीशु की कहानियाँ सुनाई होंगी। सीलास उस तरह की बातें जानता था। अब जबकि दूसरी मिशनरी यात्रा और तीसरी मिशनरी यात्रा जो यहाँ सूचीबद्ध नहीं है, लेकिन पॉल, वह पौलुस, सीलास और अन्य लोगों के साथ यात्रा करता है। फिर वह दो साल के लिए इज़राइल जाता है और संभवतः यही वह समय है जब लूका ने पुस्तक के लिए बहुत सारा शोध किया था जब वह दो साल तक यरूशलेम और इज़राइल में था। पॉल जेल में होगा और जब आपका दोस्त जेल में होगा तो आप क्या करेंगे, आप उसे जेल में हर रोज नहीं देख सकते तो आप क्या करेंगे? आप बस बाहर घूम रहे हैं और इसलिए मेरा अनुमान है, यही वह समय है जब उसने बहुत सारे शोध किए। वह इज़राइल में है इसलिए वह यरूशलेम जा सकता है वह गलील जा सकता है वह विभिन्न स्थानों पर जा सकता है और सीख सकता है और शोध कर सकता है और उसके पास ऐसा करने के लिए दो साल हैं। पॉल जेल में बैठा है और वहाँ बहुत कुछ नहीं हो रहा है और उस तरह की चीजें हैं इसलिए वह इज़राइल में दो साल बिताता है जो उसे कुछ लोगों तक पहुँच प्रदान करता है पीटर और मार्क, जैसा कि हमने पहले उल्लेख किया है, उसी समय रोम में थे और 2 तीमुथियुस 4:11, हमें वास्तव में कथन मिलता है आइए बस इसे पढ़ें 2 तीमुथियुस 4:11।

पॉल भी रोम में है, इसलिए आपको रोम में पीटर, मार्क और पॉल मिलेंगे। लूका भी वहाँ है 2 तीमुथियुस अध्याय 4 "लूका मेरे साथ है। मार्क को बुलाओ और उसे अपने साथ लाओ क्योंकि वह मेरी सेवकाई में मेरा सहायक है। जब तुम आओ तो मेरा लबादा लेते आना, मैंने इसे त्रोआस में कार्पस के पास छोड़ा था और मेरे स्क्रॉल विशेष रूप से चर्मपत्र। आपके पास आईपैड नहीं था इसलिए उसके पास चर्मपत्र और स्क्रॉल थे जिन्हें वह मंगवा रहा था। 2 तीमुथियुस में पॉल अपनी मृत्यु का सामना कर रहा था। वह कहता है, "लूका मेरे साथ है," मैं जो कह रहा हूँ लूका रोम में है, वैसे ही पीटर और मार्क भी उस समय से ठीक पहले हैं,

पीटर और मार्क वास्तव में, पॉल से पहले पीटर की मृत्यु हो जाती है। पॉल रोम की जेल में है और ज्यादातर लोग सोचते हैं कि वह शायद स्पेन जाकर थोड़े समय के लिए आजाद हुआ था। लेकिन आजादी की अवधि, और फिर वह वापस आता है

एम. ल्यूक ने मैरी का साक्षात्कार लिया [40:23-46:21]

ई: संयुक्त एमएन; 40:23-51:33; लूका के लिए स्रोत के रूप में मैरी, तिथि

यह एक ऐसी बात है जिस पर मैं थोड़ा और विस्तार से बात करना चाहता हूँ, मरियम। यदि मार्क पीटर का सुसमाचार लिखता है, यदि मार्क पीटर के नीचे लिखता है, तो लूका मरियम के बारे में बहुत सारी सामग्री लिखता है। इसलिए मेरा अनुमान है कि लूका का मरियम के साथ यीशु मसीह के इतिहास के संदर्भ में साक्षात्कार के मामले में बहुत करीबी अंतरंग संबंध था। इसलिए, आपको मरियम की कहानी कहीं और नहीं, बल्कि केवल लूका की पुस्तक में मिलती है। इसलिए मैं इनमें से कुछ आयतों को पढ़ना चाहता हूँ और खींचना चाहता हूँ, ताकि आप यीशु की कहानी के मरियम पक्ष को समझ सकें। लूका 1:29 "मरियम उसके शब्दों से बहुत परेशान हो गई।" स्वर्गदूत मरियम के पास आता है और मरियम उसके शब्दों से बहुत परेशान हो जाती है "और सोचती है कि यह किस तरह का अभिवादन हो सकता है," वैसे, आप मार्क और मैथ्यू में पहले से ही जो पढ़ा है, उससे तुलना कर सकते हैं। मैथ्यू में स्वर्गदूत किससे बात करता है? स्वर्गदूत यूसुफ से बात करता है क्योंकि यूसुफ मरियम को तलाक देने के लिए संघर्ष कर रहा है क्योंकि वह गर्भवती है, वह जानता है कि यह वह नहीं है, और इसलिए वह कह रहा है, "वाह, यहाँ क्या हो रहा है?" इसलिए वह मैरी को निजी तौर पर तलाक देने के बारे में सोच रहा है। मैथ्यू की पुस्तक के अध्याय 1 में स्वर्गदूत यूसुफ के पास आता है। यहाँ ल्यूक की पुस्तक 1:29 में आप देखते हैं कि मैरी "उसके शब्दों (स्वर्गदूत के शब्दों) से बहुत परेशान है और सोच रही है कि यह किस तरह का अभिवादन हो सकता है।" ल्यूक आपको मैरी का पक्ष बताता है। ल्यूक 2:19 में, यीशु के जन्म के लिए चरवाहे आते हैं। वैसे, क्या मैथ्यू में यीशु के जन्म के लिए चरवाहे आए थे? आपको क्यों लगता है कि चरवाहे आते हैं? क्या आपने कभी उन क्रिसमस क्रेच में से एक देखा है, क्रिसमस क्रेच

में आपको एक तरफ बुद्धिमान लोग और दूसरी तरफ चरवाहे शिशु यीशु और जानवरों के साथ और बीच में मैरी और जोसेफ मिलते हैं, है न? तो आपको चरवाहे और बुद्धिमान लोग शिशु यीशु को जानवरों के साथ चरनी में लेते हुए मिलते हैं। वास्तव में, सच्चाई यह है कि बुद्धिमान लोग हेरोदेस के पास आए और कहा, "यहूदियों का राजा जो पैदा हुआ है, वह कहाँ है।" यह लगभग दो साल बाद हुआ। तो हेरोदेस के साथ आपको जो मिला वह यह है कि बुद्धिमान लोग शायद दो साल बाद आएंगे। तो चरवाहे बहुत पहले चले गए थे। स्वर्गदूत आए और कहा, "आज बेथलेहम शहर में जाओ, राजा का जन्म हुआ है।" फिर यीशु का जन्म हुआ और फिर यहूदिया के बेथलेहम में स्वर्गदूत "होसन्ना" या कुछ और कहते हुए नीचे आए और स्वर्गदूत "सर्वोच्च में परमेश्वर की स्तुति करो" जैसी बातें करने लगे। फिर लूका ने चरवाहों का वर्णन किया। चरवाहे वहाँ थे, शायद मसीह के जन्म के ठीक बाद, बेथलेहम के खेतों से तुरंत। लूका ने इसे उठाया और यह शायद मरियम है और ध्यान दें कि चरवाहों के यीशु के जन्म के बाद आने के बाद लूका ने इसे उठाया, कहीं और नहीं, "मरियम ने इन सभी बातों को संजोकर रखा और अपने दिल में उन पर विचार किया।" यह आपको क्या बता रहा है? मरियम के अंदर क्या चल रहा है? अब, कौन जानता होगा कि लूका ने मरियम का साक्षात्कार लिया तो उसे यह पता चल जाएगा। तो यह फिर से दूसरी बात है, उसने इन सभी बातों को अपने दिल में संजोकर रखा और यह हमें मरियम के अंदर की बात बता रहा है। यहाँ एक और है: मंदिर में यीशु पर शिमोन का आशीर्वाद। तो शिमोन, क्या आपको याद है, यह अध्याय 2 श्लोक 33 है। शिमोन वह बूढ़ा आदमी है और बूढ़ा आदमी शिशु यीशु को उठाता है और फिर वह इस्राएल के सांत्वना का इंतज़ार कर रहा था। भगवान कहते हैं, "शिमोन, तुम तब तक नहीं मरोगे जब तक तुम परमेश्वर के अभिषिक्त को नहीं देखोगे। शिमोन, तुम वह आदमी हो, तुम यीशु को देखने जा रहे हो तुम दाऊद के बेटे को देखने जा रहे हो। तुम मसीहा को देखने जा रहे हो जिसे हर कोई तुम्हारे मरने से पहले देखने की उम्मीद कर रहा है शिमोन।" यह एक अद्भुत कहानी है जिसमें इस बूढ़े आदमी ने शिशु यीशु को उठाया और वहाँ मंदिर में उसे आशीर्वाद दिया। यह कहता है कि ठीक है तो आपने शिमोन को यह बूढ़ा आदमी मसीहा के आने का इंतज़ार करते हुए पाया और भगवान कहते

हैं, "तुम इसे देखने जा रहे हो।" तो क्या हुआ जब यूसुफ और मरियम बच्चे को मंदिर में लाए और यह कहता है, "बच्चे के पिता और माँ ने उसके बारे में कही गई बातों पर आश्चर्य किया।" इसलिए जब एक शिशु शिमोन उसे उठाता है और मरियम और यूसुफ शिमोन को देखते हैं और अपने बच्चे यीशु के बारे में कही गई इन अद्भुत बातों को देखते हैं। इसमें कहा गया है "बच्चे के पिता और माता ने उसके बारे में कही गई बातों पर आश्चर्य किया।" कौन जानता है कि यूसुफ पहले ही मर चुका है, हम यीशु के पिता यूसुफ के बारे में ज़्यादा नहीं पढ़ते हैं। जन्म की कहानी के बाद ऐसा लगता है कि वह बहुत पहले ही चला गया था, लेकिन यहाँ ऐसा लगता है कि पिता और माता ने जो कहा गया था उस पर आश्चर्य किया। यह अध्याय 2 पद 33 है। और फिर इस विषय के साथ अंतिम बात, अध्याय 2 पद 51। इसमें कहा गया है, "फिर वह उनके साथ नासरत गया और उनका आज़ाकारी रहा।" इसलिए वे नासरत गए, वह उनका आज़ाकारी रहा, लेकिन "उसकी माँ ने इन सब बातों को अपने दिल में संजोकर रखा और यीशु बुद्धि और डील-डौल में और परमेश्वर और मनुष्य के अनुग्रह में बढ़ता गया।" "यीशु बुद्धि और डील-डौल में और परमेश्वर और मनुष्य के अनुग्रह में बढ़ता गया।" नासरत में जल्दी क्या हो रहा था, इसके बारे में कौन जानता था? यीशु की माँ। वह उनका आज़ाकारी था। उसकी माँ ने इन सभी बातों को अपने दिल में संजोकर रखा था, यह मुझे मेरी अपनी पत्नी और उसके बच्चों की याद दिलाता है, वह वापस जाकर ये सभी शिशु कहानियाँ सुना सकती है कि कैसे किसी ने हमारे बच्चों का पालन-पोषण किया और उनके शुरुआती साल कैसे बीते। मेरी पत्नी ये कहानियाँ सुनाती है और उन्हें अपने दिल में संजोकर रखती है। हमारे परिवार में वे वाकई बहुत अच्छे पल होते हैं जब हमारे बच्चे छोटे होते हैं। अब, वे बड़े हो गए हैं और सब कुछ अलग है। वैसे भी यही वह है जो एक माँ को इन सभी शुरुआती कहानियों को याद रखने में मदद करेगा और इसलिए आपको लूका अध्याय 1 और 2 मिलता है, जो बाइबल में एकमात्र स्थान है जहाँ आपको यीशु की ये शुरुआती कहानियाँ मिलती हैं। ऐसा लगता है कि लूका ने, मेरा अनुमान है और वास्तव में अन्य लोगों ने भी, मेरी का साक्षात्कार लिया है और आपको कहानी का मेरी का पक्ष बताता है।

लूका की पुस्तक कब लिखी गई? [46:21-51:33]

जब पॉल दो साल तक यरूशलेम और फिर कैसरिया में जेल में था, तब ल्यूक जाहिर तौर पर मरियम जैसे लोगों का साक्षात्कार कर रहा था। इसलिए मरियम का सुसमाचार, मरियम की कहानियाँ ज़्यादातर लोग 65 ई. से पहले की बात कहेंगे।

पॉल अभी भी अपने पहले कारावास की प्रतीक्षा कर रहा था। हमने कहा कि वह थोड़े समय के लिए मुक्त हो जाएगा और फिर अपने दूसरे कारावास के लिए वापस जाएगा, जो संभवतः 2 तीमुथियुस 4 है। इस बार उसे उम्मीद है कि वह बाहर निकल जाएगा, यह संभव है कि हम जो सुझाव दे रहे हैं वह प्रेरितों की पुस्तक है, जो पॉल को जेल से बाहर निकालने के लिए लिखी गई थी और इसलिए वह लूका की पुस्तक से शुरू करके प्रेरितों के काम तक सबसे अच्छे थियोफिलस को लिख रहा है, ताकि थियोफिलस अंदर जाकर पॉल की मदद कर सके और उसे जेल से बाहर निकाल सके। इसलिए, यह जल्दी होना चाहिए क्योंकि पॉल की मृत्यु लगभग 68 ई. में होने वाली है। इसलिए जेल में वापस जाने और फिर से मुकदमा चलाने और फिर मौत की सज़ा दिए जाने के लिए पर्याप्त समय होना चाहिए। पीटर को उल्टा सूली पर चढ़ाया जाएगा, जैसा कि हमने कहा कि पीटर ने कहा कि वह यीशु की तरह मरने के योग्य नहीं है इसलिए उसे उल्टा सूली पर चढ़ाया गया, बहुत क्रूर। याद रखें कि पीटर ने मसीह को अस्वीकार कर दिया था। पीटर खुद सूली पर चढ़ने से मर गया। पीटर एक यहूदी था इसलिए वे उसे सूली पर चढ़ा सकते थे, बहुत दर्दनाक मौत। दूसरी ओर, हम जानते हैं कि पॉल एक रोमन नागरिक था, क्योंकि वह पूर्वी तुर्की के निचले इलाके तरसुस में पैदा हुआ था। वह एक रोमन नागरिक था। इसलिए, वे उसे सूली पर नहीं चढ़ा सकते थे, उन्हें उसका सिर काटना पड़ा। इसलिए पॉल का सिर एक रोमन नागरिक के रूप में काटा गया होगा।

अब, यहाँ फिर से क्या दिलचस्प है, पुस्तक कब लिखी गई थी? हमें ल्यूक की पुस्तक में यह कथन मिला है, जिसमें मूल रूप से यह उल्लेख है कि मंदिर नष्ट हो जाएगा और मुझे इसे थोड़ा सा पढ़ने दें, यदि मैं अध्याय 21 से नीचे श्लोक 20 तक पढ़ सकता हूँ। यह एक तरह से, मुझे लगता है कि यह उस प्रवचन में है जिसमें वे युग के अंत के बारे में बात कर रहे हैं, कहते हैं, "जब आप यरूशलेम को देखेंगे।" यह अध्याय 21 श्लोक 20 है। "जब आप

यरूशलेम को सेनाओं से घिरा हुआ देखेंगे तो आप जान लेंगे कि इसका विनाश निकट है।" तो, यहाँ आपके पास यरूशलेम का विनाश है। यरूशलेम का विनाश कब है? टाइटस 70 ईस्वी में आता है, यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण तिथि है। दूसरा मंदिर यहूदियों ने विद्रोह किया और 70 ईस्वी में टाइटस आया और यरूशलेम को मिटा दिया और मंदिर को नष्ट कर दिया, मंदिर की हर चट्टान को गिरा दिया। हमें वास्तव में ये चट्टानें गेट लॉस्ट इन जेरूसलम में मिली हैं, आप दक्षिणी दीवार की खुदाई में जा सकते हैं, आप चट्टानों को देख सकते हैं, वही चट्टानें जो दूसरे मंदिर से थीं जिन्हें नीचे गिरा दिया गया था। "जब तुम यरूशलेम को सेनाओं से घिरा हुआ देखोगे, तो तुम जान जाओगे कि विनाश निकट है।" तब जो यहूदिया में हैं वे पहाड़ों पर भाग जाएँ, जो शहर में हैं वे बाहर निकल जाएँ। जो लोग देश में हैं वे शहर [यरूशलेम शहर] में प्रवेश न करें, क्योंकि यह सजा का समय है और जो कुछ लिखा गया है उसकी पूर्ति है। गर्भवती महिलाओं और दूध पिलाने वाली माताओं के लिए उन दिनों में यह कितना भयानक होगा। देश में बड़ा संकट होगा। इसके लोगों के खिलाफ क्रोध वे तलवार से मारे जाएँगे और सभी राष्ट्रों के लिए बंदी बनाए जाएँगे यरूशलेम को सभी अन्यजातियों द्वारा रौंदा जाएगा जब तक कि अन्यजातियों का समय पूरा न हो जाए।" और इसलिए आपको यरूशलेम और यरूशलेम के विनाश का ऐसा भयावह वर्णन मिला है जो अब 70 ई. में होगा, तब के आलोचक जो यीशु की भविष्यवाणी को स्वीकार नहीं कर सकते थे, वे दावा करते हैं कि भविष्यवाणी उस समय के बाद होनी चाहिए, जब हमने इस बारे में पहले भी बात की थी / इसका मतलब यह है कि आलोचक यीशु को भविष्य जानने के लिए स्वीकार नहीं कर सकते, आलोचक दो चीजों को स्वीकार नहीं कर सकते: चमत्कार; यीशु चमत्कार नहीं कर सकते क्योंकि चमत्कार नहीं होते, सब कुछ प्राकृतिक है, विज्ञान हर चीज का हिसाब रखता है, चमत्कार जैसी चीजें नहीं हो सकतीं। इसलिए चमत्कारों से छुटकारा पाना होगा। मैं अब 19 वीं सदी/20 वीं सदी के आधुनिकतावाद की बात कर रहा हूँ। अब हम उत्तर-आधुनिकता में हैं, इसलिए चमत्कार वापस आ गए हैं। इसलिए 20 वीं सदी में कोई चमत्कार नहीं थे और आप समय से पहले चीजों की भविष्यवाणी नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्हें ल्यूक की किताब को 70 ई. के बाद की तारीख देनी होगी और कहना होगा कि "ल्यूक यरूशलेम के विनाश को

पीछे से देख रहा है, जबकि यीशु इसके लिए तत्पर नहीं है। इसलिए हम इस बात से असहमत होंगे कि, "नहीं, नहीं 70 ई.पू. तक पॉल मर चुका था, बहुत पहले ही चला गया था, न केवल वह पहली बार जेल में था जब उसे आज्ञादी मिली थी, बल्कि वह दूसरी बार भी जेल में था और फिर 68 ई.पू. में उसे मार दिया गया, पॉल की मृत्यु दो साल पहले हो चुकी थी, इसलिए यह बहुत देर हो चुकी है, आप सबसे बढ़िया थियोफिलस को यह लिखते हुए नहीं कहेंगे, "अरे, पॉल एक मरा हुआ आदमी है, आप उसे दो साल बाद दफनाने के लिए क्या करेंगे। तो वैसे भी यह तर्क काम नहीं करता। बेशक, ल्यूक की किताब मार्क के बाद आती है। इसलिए, यह मार्क को फिर से 70 ई.पू. की अवधि से पहले के समय में वापस ले जाएगा।

ओ. रोमन समय सीमा में सेट [51:33-54:14]

F: OQ को संयोजित करें; 51:33-62:06 अंत; लूका में पवित्र आत्मा

यह दिलचस्प है, ल्यूक की पुस्तक के साथ वह अपनी पुस्तक को रोमन समय सीमा में सेट करता है। ल्यूक ने पुस्तक को रोमन समय सीमा में सेट किया जब उसने ल्यूक 2:1 में यह कहा: "उन दिनों में कैसर ऑगस्टस ने एक आदेश जारी किया कि पूरे रोमी जगत की जनगणना की जानी चाहिए।" ध्यान दें कि वह कैसर ऑगस्टस की पहचान करता है जो हमारे लिए बहुत मददगार है। हम कैसर को जानते हैं इसलिए जब वह कैसर ऑगस्टस कहता है तो आप देखते हैं कि वह मसीह के जीवन को रोम के बड़े विषय में रख रहा है, कैसर ऑगस्टस "यह पहली जनगणना थी जो किरिनियस के सीरिया के गवर्नर रहने के दौरान हुई थी।" तो अब हमारे पास यह किरिनियस है जो सीरिया का गवर्नर है, हमारे पास अध्याय 2 पद 1 से काम करने के लिए दो चीजें हैं कैसर ऑगस्टस और किरिनियस। अध्याय 3 पद 1 में हमें एक समान बात मिलती है "तिबेरियस कैसर के 15 वें वर्ष में।" यह वास्तव में मददगार है "तिबेरियस कैसर के 15 वें वर्ष में।" हम कैसर के रोमन इतिहास को जानते हैं। टिबेरियस सीज़र के 15 वें वर्ष में, हम इसे पहचान सकते हैं। जब पोंटस पिलातुस यहूदिया का गवर्नर था, तो हम पोंटस पिलातुस के बारे में बाहरी स्रोतों से जानते हैं, पोंटस पिलातुस वह व्यक्ति था जो यीशु को मृत्युदंड दिए जाने के समय वहाँ उपस्थित था और अपने हाथ धोता था। गलील

के टेट्रार्क हेरोदेस एंटिपस, और उनके भाई फिलिप पेरिया के टेट्रार्क और उच्च पुरोहिती के दौरान ट्रैकैनिटस अन्नास और कैफास इसलिए हमारे पास कैसर की एक सूची है, पोंटस पिलातुस गवर्नर है, हेरोदेस एंटिपस हमारे पास फिलिप और दो उच्च पुजारी, अन्नास और कैफास भी हैं, इसलिए हमारे पास ये सभी लोग हैं जिन्हें हम ऐतिहासिक रूप से ल्यूक की पुस्तक से जोड़ सकते हैं। ल्यूक एक अच्छा इतिहासकार है और बाहरी दुनिया के साथ इन सभी कनेक्शनों को खोजने के लिए हमारे लिए एक निशान छोड़ता है। इसलिए यह हमें टिबेरियस सीज़र, पोंटस पिलातुस, कैफास और फिलिप, आदि के संदर्भ में यीशु को खोजने में मदद करता है। ल्यूक वास्तव में मददगार है। लूका एक इतिहासकार है, सबसे बढ़िया थियोफिलस एक समुदाय या पॉल के मामले में मदद कर रहा है। यदि आप इसे थियोफिलस के रूप में "ईश्वर के प्रेमी" के रूप में लेते हैं, तो यह एक व्यापक कथन है कि लूका किसी ऐसे व्यक्ति को लिख रहा है जो व्यापक समुदाय के लिए ईश्वर का प्रेमी है। मुझे नहीं लगता कि यह शायद सही है। सबसे अधिक संभावना है, मुझे लगता है कि वह पॉल के मामले में मदद करने के लिए सबसे बढ़िया थियोफिलस को लिख रहा है, जो कि 65 ईस्वी से पहले का है, इससे पहले कि पॉल रोम से जेल से रिहा होने के लिए मुकदमे में जाए।

पी. लूका में पवित्र आत्मा—यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला [54:14-57:01]

अब मैं आगे बढ़ना चाहता हूँ, हम लूका की पुस्तक की विशेषताओं पर जाएँगे और मैं आज उनमें से एक विशेषता को कवर करना चाहता हूँ और मैं फिर से इस मूर्खतापूर्ण एक्रोस्टिक का उपयोग करने जा रहा हूँ और मुझे खेद है लेकिन मैं इसी तरह से चीजों को याद रखता हूँ: HCDSPPP. इसलिए यदि कोई व्यक्ति SPSS के लिए काम करता है, तो सामाजिक विज्ञान के लिए इसका सांख्यिकी कार्यक्रम, SPSS को याद रखें। HHCD और वह SPPPP है, ये लूका की पुस्तक की विशेषताएँ हैं। तो यह एक्रोस्टिक के रूप में है। आइए इसे देखें। लूका नए नियम में पवित्र आत्मा का लेखक प्रतीत होता है। वह पवित्र आत्मा का बहुत उल्लेख करता है। जैसे ही मैं प्रेरितों के काम की पुस्तक कहता हूँ, जैसे ही मैं प्रेरितों के काम का अध्याय 2 कहता हूँ, यहाँ बहुत से छात्र हैं। पेंटेकोस्टल करिश्माई आप कहते हैं कि प्रेरितों

के काम अध्याय 2 आत्मा का आना, अन्य भाषाओं में बोलना, ये सब प्रेरितों के काम अध्याय 2 के साथ है। यहाँ तक कि प्रेरितों के काम अध्याय 2 नामक एक संगीत समूह भी है। तो यह सब ल्यूक है। मसीह के स्वर्ग में चढ़ने के बाद पवित्र आत्मा का उतरना पुनरुत्थान के बाद स्वर्गारोहण है। वह मृतकों में से जी उठता है, स्वर्गारोहण करता है, वह पिता के दाहिने हाथ पर बैठने के लिए स्वर्ग लौटता है। जब वह ऊपर जाता है तो मसीह ऊपर चढ़ता है और पवित्र आत्मा नीचे आती है जो पेंटेकोस्ट में है और पेंटेकोस्ट का पूरा अनुभव प्रेरितों के काम 2 में है।

चलिए लूका की पुस्तक पर वापस चलते हैं। लूका प्रेरितों के काम 2 में पवित्र आत्मा के उतरने के बारे में लिखने जा रहा है, लेकिन उससे पहले क्या हुआ। यहाँ हमें कुछ रोचक बातें मिली हैं, लूका लूका की पुस्तक में प्रमुख व्यक्तियों पर पवित्र आत्मा के आने का वर्णन करता है। आपके पास पवित्र आत्मा है, उदाहरण के लिए, जॉन द बैपटिस्ट। यह लूका 1:15 है जो जॉन द बैपटिस्ट के बारे में है "क्योंकि वह प्रभु की दृष्टि में महान होगा वह कभी भी शराब या किण्वित पेय नहीं लेगा। वह पवित्र आत्मा से भर जाएगा। दूसरे शब्दों में, वह शराब से नहीं भरा जाएगा वह पवित्र आत्मा से भर जाएगा। अब यहाँ यह दिलचस्प है कि आप पाते हैं कि वह शराब या किण्वित पेय नहीं लेगा ऐसा लगता है कि जॉन द बैपटिस्ट शायद एक नाज़ीर हो सकता है। क्या आपको संख्या 6 याद है। संख्या नाज़ीर के बारे में बात करती है। तो जॉन द बैपटिस्ट, उसके लिए कोई शराब नहीं और वह भर जाएगा, शराब से भरे जाने के बजाय वह जन्म से ही पवित्र आत्मा से भर जाएगा, यानी जॉन द बैपटिस्ट पवित्र आत्मा से भरा हुआ है। यह बहुत बढ़िया है।

प्रश्न: लूका में पवित्र आत्मा - जकर्याह, मरियम, शिमोन और यीशु

[57:01-62:06]

अब, यदि आप दूसरे जकर्याह के पास जाते हैं, तो यह जॉन द बैपटिस्ट का पिता है, उसके पिता का नाम जकर्याह था, और उसकी माँ का नाम एलिजाबेथ था। इसमें कहा गया है कि उसके पिता जकर्याह पवित्र आत्मा से भरे हुए थे और उन्होंने भविष्यवाणी की थी। तो यहाँ जकर्याह है, वह जाहिर तौर पर किसी तरह का पुजारी है। वह पवित्र आत्मा से भरा हुआ है

और उसने भविष्यवाणी की है, इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की स्तुति हो क्योंकि वह आया है और अपने लोगों को छुड़ाया है। तो वह पवित्र आत्मा द्वारा भविष्यवाणी की गई है जो भविष्यवाणी है। यह पवित्र आत्मा है जो लोगों को प्रेरित करती है। वैसे, मुझे बस याद दिलाना है कि हमने अभी लूका द्वारा ऐतिहासिक शोध करने के बारे में बात की थी, क्या इसका मतलब यह है कि प्रेरणा की प्रक्रिया में ऐतिहासिक शोध करना शामिल हो सकता है। इसका उत्तर "हाँ" है, यह "प्रेरणा" है। जब मैं छोटा था तो मुझे लगता था कि यह पवित्र आत्मा है जो नीचे आकर किसी के कान में फुसफुसाती है कि अपनी कलम उठाओ और यह लिखो: "आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की रचना की" या "आदि में वचन था और वचन परमेश्वर के साथ था और वचन परमेश्वर था।" लेखक मुंशी की तरह था, श्रुतलेख सिद्धांत में आत्मा उसके कान में निर्देश देती थी। नहीं, ल्यूक ऐतिहासिक शोध करता है और यह प्रेरणा प्रक्रिया का हिस्सा है। जकर्याह, वह यहाँ भविष्यवाणी कर रहा है और फिर अध्याय 1 श्लोक 35 अनुमान लगाओ कि कौन, क्योंकि यह मरियम का सुसमाचार है, और हमारे पास मरियम के बारे में क्या है? "यह कैसे होगा?" मरियम ने देवदूत से पूछा, "चूँकि मैं एक कुंवारी हूँ।" देवदूत ने उत्तर दिया, "पवित्र आत्मा तुम्हारे ऊपर आएगा और परमप्रधान की शक्ति तुम्हें ढक लेगी तो अब मरियम को पवित्र आत्मा मिल गई है, जो उस पर आ रही है और यही मसीह के जन्म का कारण है क्योंकि वह एक कुंवारी है। मरियम, "पवित्र आत्मा तुम पर उतरेगी।" शिमोन मेरे दोस्त को याद है, वहाँ बूढ़ा आदमी इस्राएल की सांत्वना का इंतज़ार कर रहा था और पवित्र आत्मा उस पर थी। अब, यह प्रेरितों के काम 2 से पहले की बात है, यह तब की बात है जब यीशु का जन्म हुआ था, पवित्र आत्मा उस पर उतरी थी और पवित्र आत्मा द्वारा उसे यह बताया गया था कि जब तक वह प्रभु के मसीह को नहीं देख लेता, तब तक वह नहीं मरेगा। अब शिमोन कहता है, "अब विदा हो जाओ" *नन्क डिमिटिस* "अब अपने सेवक को विदा होने दो क्योंकि मैंने प्रभु के मसीह को देखा है।" अब मुझे घर जाने दो। शिमोन का यह एक सुंदर कथन है। पवित्र आत्मा उस पर उतरी थी और उसे समय से पहले ही ये बातें बता दी थीं।

तो पवित्र आत्मा वहाँ है और फिर बेशक हम यीशु के बिना इस खंड को पूरा नहीं कर

सकते। यीशु और पवित्र आत्मा का रिश्ता क्या है? अन्य सुसमाचारों में यह उतना नहीं दिखाया गया है लेकिन यह अध्याय 4 पद 1 कहता है "यीशु, पवित्र आत्मा से भरा हुआ, जॉर्डन से लौटा और आत्मा द्वारा जंगल में ले जाया गया जहाँ 40 दिनों तक शैतान ने उसकी परीक्षा ली। उसने उन दिनों में कुछ नहीं खाया और उन दिनों के अंत में उसे भूख लगी।" तो यह लूका अध्याय 4 था जब यीशु अपने बपतिस्मा से आ रहा था। यीशु आत्मा से भरा हुआ है। वह जॉर्डन नदी से लौटता है और पवित्र आत्मा से भरे हुए शैतान द्वारा परीक्षा लेने के लिए जंगल में जाता है। तो यीशु स्वयं पवित्र आत्मा से भरा हुआ है और इसलिए लूका, फिर, हमने अधिनियम 2 को वहाँ रखा। प्रेरितों के काम 2 पवित्र आत्मा के पिनोकुस्त और प्रेरितों के काम 2 के साथ आने वाला जबरदस्त मार्ग है। इसलिए लूका पवित्र आत्मा के विषय को उठाता है।

मुझे लगता है कि अब हम शायद समाप्त कर सकते हैं। अगली बार मैं मसीह के मानव होने के बारे में बात करना चाहूँगा, ल्यूक मसीह के पूर्ण मानव होने के बारे में बात करता है। इसलिए हम मसीह के मानवीय पक्ष पर चर्चा करेंगे। अब मैं इसका पता लगाना चाहता हूँ क्योंकि मुझे लगता है कि ईसाई होने के नाते हम मसीह को ईश्वर के रूप में देखते हैं, हम उनकी मानवता खो सकते हैं, जैसा कि हमने पहले उल्लेख किया है। याद रखें कि मसीह मार्क की पुस्तक में क्रोधित हो गए थे, हम इस तथ्य को खो देते हैं कि मसीह निराश होकर क्रोधित हो सकते थे, कि मसीह ने पीड़ा सही, हमें उनकी पीड़ा मिलती है। हम अगली बार मसीह की मानवता का पता लगाना चाहते हैं लेकिन आइए हम पवित्र आत्मा द्वारा शिमोन के कथन के साथ समाप्त करें और वह कहता है, "अब मैंने मसीह को देखा है।" वह कहता है, "अब मैं जा सकता हूँ।" तो *नन्क डिमिटिस* का अर्थ है "अब विदा हो जाओ" और मुझे लगता है कि इस खंड को समाप्त करने का यह एक उपयुक्त तरीका है। अब, हम कह सकते हैं, "अब विदा हो जाओ" और इसलिए हम विदा हो जाते हैं और हम अगली बार ल्यूक की पुस्तक को पूरा करने का प्रयास करेंगे। हमारे साथ रहने के लिए धन्यवाद।

एलेक्स कार्नेस द्वारा लिखित
बेन बोडेन द्वारा संपादित
रफ द्वारा संपादित टेड हिल्डेब्रांट द्वारा संपादित